

## What is Arya Samaj?

**Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.**

# ARYAN VOICE

YEAR 40

07/2018-19

MONTHLY

July 2018

**Festivals celebrated at Arya Samaj Bhavan**  
Please see page 20 for detailed information

## Annual General Meeting

Sunday 29th July 2018

## Independence Day of India

Sunday 19<sup>th</sup> August

## Ved Katha (8 Days)

Sunday 26th August to Sunday 2nd September

## VEDIC VIVAH MELA - (Matrimonial get together)

Saturday 8<sup>th</sup> September 2018 - Book your place NOW....!

(For more information see page 18 &19)

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727

E-mail – enquiries@arya-samaj.org

Website - www.arya-samaj.org

Now on facebook <https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

Charity registration number 1156785

## **CONTENTS**

<b>10 Principles of Arya Samaj</b>	<b>3</b>
<b>Playful Two Children</b>	<b>4</b>
<b>महर्षि दयानन्द उवाच - होम/हवन/अग्निहोत्र</b>	<b>6</b>
<b>आचार्य डॉ. उमेश यादव</b>	<b>6</b>
<b>Panchmahayajna – Understanding &amp; Method of Doing These</b>	
<b>Part 2</b>	
<b>By Dr Narendra Kumar</b>	<b>9</b>
<b>Yoga Guru Swami Ramdev Ji Visit to Arya Samaj</b>	<b>14</b>
<b>Time for Toddlers Advert</b>	<b>16</b>
<b>Matrimonial Service information</b>	<b>17</b>
<b>Vedic Vivah Mela - Matrimonial Get Together and</b>	
<b>Speed Dating 2018</b>	<b>18</b>
<b>Festivals Information 2018</b>	<b>20</b>
<b>News (पारिवारिक समाचार)</b>	<b>21</b>
<b>New Building Refurbishment Fund</b>	<b>24</b>
<b>Venue Hire Advert</b>	<b>25</b>
<b>Yoga Classes</b>	<b>26</b>

**For General and Matrimonial Enquiries  
Please Ring  
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)  
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,  
Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.  
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727  
E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

## **10 Principles of Arya Samaj**

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights.**

## Playful Two Children

पूर्वापरं चरतो माययैतौ शिशू क्रीडन्तौ परि यातोऽर्णवम् । विश्वान्यो भुवना  
विचष्ट ऋतूरन्यो विदधज्जायसे नवः ॥ अथर्ववेद १४.१.२३

Purvaparam carato mayayaaitau sisu kridantau pari  
yato anarvam I Visvanyo bhuvana vi caste rtunranyo  
vidadhajjayase punah II

Atharva Veda 14.1.23

### Meaning in Text Order

Purvaparam = one after the other, (from eastward to westward)

Caratah = moving

Mayaya = by invincible power

Etau = those

Sisu = children

Kridantu = playful

Pari yatah = roaming around

Anarvam = in the sky ocean

Visva = all

Anyah = child in the form of sun

Bhuvana = region of universe

Vicaste = illuminates

Rtun = seasons

Anyah = child in the form of moon

Viddhat = making

Jayase = rises

Punah = again.

## **Meaning**

Moving one after the other by invisible force, these two playful children reach to the ocean. One of them illuminates all the universe and the other making the seasons.

## **Contemplation**

In the sky ocean two children, sun and moon through invincible power of God rise one after other as they are playing. Having the unique redness the child (in the form of sun) starts peeping in the east. Then gradually, changing itself rising above and above reaches in the middle of sky and presents itself in full splendor. After that coming downwards playing like a child, again getting red shines in the west. When it stops its play, when it comes down then the moon in the form of a child appears in the sky. The moon with its tender, loving and smiling with its charm, cool, calm extending its moonlight moves from east to west. These two have their own charm. It appears that one sun is watching all the planets of the universe. When it opens the eyes, it is manifesting the universe. The second, moon creates seasons and months.

These two children are playing in our ocean of mind. The sun is the soul and mind is moon. The soul acquires the knowledge five subtle elements. This is due to mind that sometimes there is coolness, generosity, compassion and evenness in our nature.

The bridegroom and bride, like are enter in household life like two birds. The bridegroom is mid space (**dyau**) and bride is earth (**prthvi**), they will play in life by behaving befittingly. God bless them in their play of life both play like sun and moon, play of mind and the soul to make them sublime so that their household life may become the temple of two souls.

**By Mr Krishan Chopra**

**महर्षि दयानन्द उवाच**  
**होम/हवन/अग्निहोत्र**  
(प्रमुख ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश से उद्धृत)

प्रिय पाठक वृन्द ! आज मैं आपके सामने महर्षि दयानन्द सरस्वती की उस अमृत वाणी को प्रस्तुत कर रहा हूँ जो पंच महायज्ञों में एक महात्त्वपूर्ण यज्ञ देवयज्ञ की महत्ता को स्पष्ट करती है । देवयज्ञ को हम कई नामों से जानते हैं । होम, अग्निहोत्र वा हवन भी इसे ही कहते हैं । जीवन की दिन चर्या में यह श्रेष्ठ कर्म करने का विधान है । इसको करने से जीवन सुखी रहता है । कई प्रकार के पूजा-पाठ सम्बन्धि अन्धविश्वास व अन्ध परम्परा से हमें छूटकारा मिलता है तथा यथार्थ वैदिक कर्म का परिचय प्राप्त होता है । जिसके जीवन में १६ संस्कारों व पंच महायज्ञों के प्रति निष्ठा है उसे अन्य कोई पूजा-पाठ की जरूरत नहीं है । ब्रह्मयज्ञ ईश्वर की उपासना, देवयज्ञ वातावरण की शुद्धि व ईश्वरीय स्तुति-प्रार्थना-उपासना, वलिवैश्व देव यज्ञ पशु-पक्षी आदि मानवेतर प्राणियों की रक्षा व उनका पालन-पोषण में सहयोग, पितृयज्ञ जीवित मातापिता की सेवा तथा अतिथियज्ञ घर में आये धर्मात्मा, विद्वान, आचार्य आदि सदाचारियों का आदर व सेवा करना चाहे वे बिना बताये भी अकस्मात् आपके घर पर पधारे हों, ये सब पांच महायज्ञ कहलाते हैं । इनमें दूसरा देवयज्ञ है जिसे अग्निहोत्र आदि नामों से जाना जाता है । यह अग्निहोत्र हर किसी को करने का आदेश है । सुबह-साम सूर्य की उपस्थिति में करना उपयुक्त है । इसी अग्निहोत्र की विशेषता आज मैं यहाँ महर्षि दयानन्द की वाणी में प्रस्तुत करता हूँ जिसे महर्षि दयानन्द ने अपने अमर ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश में होम की महिमा में लिखी है । ..... आचार्य डॉ. उमेश यादव

## होम से उपकार स.प्र.३४५ पृ.

" देखो ! जहाँ होम होता है वहाँ से दूर देश में स्थित पुरुष के नासिका से सुगन्ध का ग्रहण होता है वैसे दुर्गन्ध का भी । इतने से ही समझ लो कि अग्नि में डाला हुआ पदार्थ सूक्ष्म होके फैल के वायु के साथ दूर देश में जाकर दुर्गन्ध की निवृत्ति करता है । अग्नि ही का सामर्थ्य है कि उस वायु और दुर्गन्धयुक्त पदार्थों को छिन्न-भिन्न और हल्का करके बाहर निकालकर पवित्र वायु का प्रवेश कर देता है ।

### होम न करने से पाप

जिस मनुष्य के शरीर से जितना दुर्गन्ध उत्पन्न होके वायु और जल को बिगाड़ कर रोगोत्पत्ति का निमित्त होने से प्राणियों को दुःख प्राप्त करता है उतना ही पाप उस मनुष्य को होता है । इसलिये उस पाप के निवारणार्थ उतना सुगन्ध वा उससे अधिक (सुगन्ध) वायु और जल में फैलाना चाहिये । और खिलाने-पिलाने से उसी एक व्यक्ति को सुख विशेष होता है । जितना घृत और सुगन्धादि पदार्थ एक मनुष्य खाता है उतने द्रव्य के होम से लाखों मनुष्यों का उपकार होता है । परन्तु जो मनुष्य लोग घृतादि उत्तम पदार्थ न खावें तो उनके शरीर और आत्मा के बल की उन्नति न हो सके । इससे अच्छे पदार्थ खिलाना-पिलाना भी चाहिये । परन्तु उससे होम अधिक करना उचित है, इसलिये होम करना आवश्यक है ।

### नित्यकर्म अवश्य करें

नित्य कर्म करने में अनध्याय (अन्+अध्याय= न अध्याय) नहीं होता । जैसे श्वास-प्रश्वास सदा लिये जाते हैं; बन्द नहीं किये जा सकते , वैसे

नित्य कर्म प्रतिदिन करना चाहिये, न किसी दिन छोड़ना, क्योंकि अनध्याय में भी अग्निहोत्रादि उत्तम कर्म किया हुआ पुण्यरूप होता है, जैसे झूठ बोलने में सदा पाप और सत्य बोलने में सदा पुण्य होता है वैसे ही बुरे कर्म करने में सदा अनध्याय और अच्छे कर्म करने में सदा स्वाध्याय ही होता है ।

### अग्निहोत्र के निन्दक धूर्त

अग्निहोत्रादि यज्ञों से वायु, वृष्टि, जल आदि की शुद्धि द्वारा आरोग्यता का होना, उससे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की सिद्धि होती है । उसको न जानकर वेद, ईश्वर और वेदोक्त धर्म की निन्दा करना धूर्तों का काम है ।

### होम का प्रचार

इसलिए आर्यवरशिरोमणि महाशय, ऋषि, महर्षि, राजे, महाराजे लोग बहुत सा होम करते और कराते थे । जब तक होम करने का प्रचार रहा तब तक आर्यवर्त देश रोगों से रहित और सुखों से पूरित था । अब भी प्रचार हो तो वैसा ही हो जाये ।

निवेदन- भाइयों-बहनों, महर्षि दयानन्द के उपर्युक्त विचार को आप स्वयं पढ़ें, चिन्तन करें, विचारें और जीवन में अधिकाधिक धारण करें; निश्चित ही जीवन सुखों से भर जायेगा --आचार्य उमेश





**PANCHMAHAYAJNA -**  
**UNDERSTANDING & METHOD OF**  
**DOING THESE**

**Part 2**

**By Dr Narendra Kumar**

**2. Knowledge (Science) Of Creation (Shristi Vigyaan)**

**To destroy sin-** In this section one gains knowledge about Creation.

In following Mantras the thought of natural, inherent and unrefined truth becomes relevant. One comes to know the value of Tap (tolerance, self-mortification, austerity). Almighty God is the cause of Creation of this universe. Almighty God has created Sea, Ocean, Day and Night, Sun, Moon, Earth, Sky, Outer Space (The near-vacuum extending between the planets and stars) where Sun, Moon and Stars are situated. When a person thinks about these creations he/she is bound to realise the existence of Almighty God. Our knowledge about Almighty God helps us to keep away from all kinds of sinful acts. When we go in to depth of various attributes and supreme quality of Almighty God then we also come to know the attributes of various matters (substances) of the Creation. With the help of such knowledge we try to use various matters of this Creation in a proper way which is friendly to our environment. This also helps us to live a healthy life style and stay away from committing any sinful act. This is what is called Aghmarshan (To crush sin).

### 3. Knowledge (Science) of Mind, Psychology and Day to Day things in Life

**Going Round Mind-** In this ceremony one has to recite six Mantras. One has to take his/her Mind in East, South, West, North, Down/Centre, Above and then one has to think (Contemplation) about the true meaning and feeling of these Mantras. With help of these Mantras one has to know about attributes and defects of these directions. This knowledge helps a person in his/her behaviour in day today life. This is the true meaning of these Mantras. God has created all these directions. A person with a sacramented Mind and with knowledge about attributes/defects of all these directions choose to use this knowledge and progresses towards living a virtuous life. This knowledge also helps a person to stay away from crookedness and makes one mentally strong and stay away from negative thoughts and nurture positive thoughts and actions in life. A worshiper of God always pays to Almighty God to remove/burn all negative and opposite thoughts from his/her Mind. In all six Mantras **“Yoasmaam Dwesti Yam Vayam Dwishmastam Vo Jambhe Dadmaah.”** is repeated. The meaning of this is “ Those people who are jealous of me or I am jealous of some one O Almighty God please destroy all these crooked (perverse) thinking from us by crushing these in between your divine and sharp jaw. This prayer is to help a person to get rid of malice (ill will) and create a Mind for good behaviour with other human beings. This is why it is called Knowledge of Mind and practical use of this knowledge in our day to day life.

### 4. Knowledge (Science) of Almighty God (Brahma Gyaan)

**To sit near Almighty God ( Upsthaan )- Udhyam tamsaspari Swah Pashyant Utaram -** and other Mantras afterwards and up to Gaayatri Mantra are all known as Upasthaan Mantras. When reciting these Mantras the devotee (Adorer) of Almighty God completely gets immerses in the true meaning and sentiment of these Mantras and feels himself/herself very near to Almighty God. This is why this

section is called Upsthaan. A human being should first know all about Creation (Srishti) from Prakriti (Matter) and his/her senses and then to know about and sit near Almighty God is the essence of Upsthaan.

While reciting these Ved Mantras a devotee becomes so much engrossed (Absorbed) in Almighty God that his/her all Cognitive Senses like Eyes, Ears, Speech, Hearing and four aspects of Soul like Mind (Man), Intellect (Budhi), Heart (Chit) and Self Conscience (Ahamkaar) become pure and free of any kind of sin or blemish. With help of these Mantras a human being leads a successful life which is full of all correct and acceptable behaviour in his/her life and prays to Almighty God for 100 years of life span with all his/her senses in healthy and working order so that he/she can live a active and working life. One can pray for even more than 100 years of life but being healthy and independent without being a burden upon any one. He/she also prays to Almighty God to stay away from mental depression, hopelessness and any other kinds of mental weaknesses. He/she should not fall prey to negative thoughts/behaviour. He/she should move forward and progress in his/her life with full force with help of belief in Almighty God (Prabhu Vishwaas), Self Confidence (Atma Vishwaas) and confidence in his /her actions or deeds (Karma Vishwaas). By reciting Gaayatri Mantra again and again he/she should remember the Omnipotent, Creator of Universe, Blissful, Making this universe full of light Almighty God and always try to keep himself/herself closer to Almighty God. All these prayers and practices help a person to be blessed by a strong Mind and intellect to face any difficult situation in his/her life in future.

**To Submit one self to God (Samarparna)** - Under procedure of Sandhyopaasaanam the following writing is the true inner feeling of Maharishi Dayanand Saraswati. In this we can read and feel the total surrender (Samarparna) of Maharishi Dayanand Saraswati to the Almighty God. The following prayer is written by himself. By reading this one feels as though Maharishi Dayanand Saraswati is

in total assimilation and talk with Almighty God. The following words come out of his mouth spontaneously

**“ He Ishwar Dayaanidhe !**

**Bhawatkripayaaanajapoupaasanaadikarmanaa**

**Dharmaarthakaammokshaanaanam Sadyah Sidhirbhavannah:.”**

This literally means ' O The Ocean of kindness Almighty God! With mercy of Yours and my deeds of praying and pious actions help me to achieve the highest fulfilment of human life of Dharma, Wealth (Artha) , Enjoyment of legitimate desires (Kaam) and Salvation (Moksha) straight way.

Our existence on this earth should have a purpose. In order to live a fulfilling, happy and healthy life we should follow the teachings of Vedas. Towards the end of his masterpiece book “Satyarth Prakash” Maharishi Dayanand Saraswati wrote “A statement of My Beliefs”. Maharishi Dayanand Saraswati has written very clearly the true meanings of Dharma, Artha, Kama and Moksha. These are as following.

**DHARMA-** The practice of fair and impartial justice together with that of truthfulness in word, deed and thought and the like- in a word, that which is in conformity (agreement) with the will of God, as written in Vedas- even that I call Dharma. But the practice of that which is NOT free from partiality and injustice as well that of untruthfulness in word, deed and thought- in a word that which is opposed to the will of God, as embodied in Vedas, even that I call Adharma.

**ARTHA-** The righteously (morally right or justifiable) and honestly acquired wealth alone constitutes Artha while that which is acquired by foul means is called Anarth.

**KAMA-** The enjoyment of legitimate desires with the help of honestly acquired wealth constitutes Kama.

**MOKSHA-** The freedom of soul from pain and suffering of every description and subsequent career of freedom in the all pervading God and his immense creation for a fixed period of time and its resumption of earthly life after the expiration of that period constitutes Moksha (salvation).

The means of salvation are the worship of God, in other words, the practice of Yoga, the performance of righteous deeds, the acquisition of true knowledge by the practice of Brahmacharya, the society of wise and the learned (Satsang), love of true knowledge, purity of thought and life of activity and so on.

Only a person with full devotion towards Almighty God can pray with such a total confidence in himself/herself. This is why it is known as **Samparparna Vidhi (To submit one self to God.)**

**Namaskaar-** Towards the end Namaskaar Mantra “Om **Namah Shambhavyaay Cha Mayobhavaaya Cha. Namah Shankraay Cha Mayaskaraaya Cha. Namah Shivaaya Cha.**” appears. In this Mantra pure form of salutation (bow) is expressed by a devotee of Almighty God.

A devotee of Almighty God accepts the vast powers (Omnipotent) of his/her Almighty God and vows to His Glory. That Almighty God is alone the well wishers of all and inspires and encourages us to do noble deeds. Almighty God is the symbol of Truth (Satyam), Auspicious and Beneficial (Shivam), Beautiful and Graceful (Sundaram). He encourages us to be truthful in our thought, deed and action and takes away our pain and sorrow and Lord of all true knowledge. By bowing in front of Almighty God a devotee loses his/her arrogance and follows only the path of truth. He/she totally dedicates every thing in life to Almighty God and lives the rest of his/her life in happiness and bliss under protection of Almighty God. This is what called Samarpna and Sandhyopaasanam.

**Deva-Yajna, Balivaishvadeva-Yajna, Pitri-Yajna and Atithi-Yajna will be written in the next edition.**

## **YOGA GURU SWAMI RAMDEV JI VISIT TO** **ARYA SAMAJ**

It gives me great pleasure to inform our readers that internationally renowned Yoga Guru Swami Ramdev ji visited Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands Bhavan on Sunday, 24th June 2018.

About 4.10pm at the main entrance of Arya Samaj Bhavan Swami Ramdev ji was greeted by Dr. Narendra Kumar, Chairman and all the members of the Board of Trustees and Acharya Umesh Yadav. Then Swami ji was shown the whole newly refurbished building of Arya Samaj including main hall named Maharishi Dayanand Saraswati Hall, Yajna Shala, stage hall named Swami Shraddhanand Saraswati Hall, Kitchen and Library. Swami Ramdev ji was seated on main stage of Swami Shraddhanand Saraswati Hall. Dr. Narendra Kumar and his wife Mrs. Shama Kumar welcomed Swami ji by presenting him a bouquet of flowers.

In a brief welcome speech Dr. Narendra Kumar welcomed and thanked Swami Ramdev ji and guests for coming to Arya Samaj on this big day. Dr. Kumar reminded Swami ji about invitation he gave to Swami ji on his visit to Haridwar, India in year 2006 to come to Arya Samaj Birmingham when he visit UK in future.. Dr. Kumar's wish and invitation happened about 12 years later. On behalf of members of the Board of Trustees Dr. Kumar thanked Swami ji and Mrs. Sunita Poddar of Patanjali Yog Peeth (UK) Trust to make this visit possible. Dr. Kumar offered full cooperation of Arya Samaj West Midlands in close working relationship with Patanjali Yog Peeth (UK) Trust in future. Dr. Kumar gave a big credit to Swami ji in propagating and acting on the message of Maharishi Dayanand Saraswati about Swaraj and Swadeshi.

Acharya Umesh ji recited a poem in praise of Swami Ramdev ji. He gave a big credit to Swami ji for revolutionising Yoga in the whole world and spreading the message of Maharishi Dayanand Saraswati

through his Yoga camps in the world. Acharya ji also prayed to Almighty God to give good health and energy to Swami ji to continue his good work in future.

In his speech Swami Ramdev ji praised the newly refurbished beautiful building of Arya Samaj.

Swami ji gave very good suggestions to trustees about how to carry forward the work of Maharishi Dayanand Saraswati. These suggestions included to connect with the modern age media, propagate the true knowledge of Vedas as desired by Maharishi Dayanand Saraswati, to run a separate Yoga and Meditation classes for children and to work closely with Patanjali Yogpeeth Trust UK in future. Swami Ramdev ji sang a very emotional and melodious song about Maharishi Dayanand Saraswati.

Towards the end Dr. Kumar requested Swami ji to help Arya Samaj Birmingham to work closely with Aastha, Sanskar and Vedic TV Channels in near future.

At the time of departure Swami Ramdev ji told Acharya ji and Dr. Kumar that Patanjali group has adopted Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands from today. Swami ji left Arya Samaj Bhavan about 5.25pm.

About 100 people attended this event. Snacks and tea were served on behalf of Arya Samaj. All the attendees highly appreciated this visit of Swami Ramdev ji.





## **TIME FOR TODDLERS**

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Early years parenting support involving and supporting parents in their children's learning.

A sharing experience for the whole family

- Singing
- Water play
- Sand play
- Music
- Books
- Educational Play and much more.....

**WHERE:** Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands  
321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham  
B21 9PR

**WHEN:** - EVERY WEDNESDAY 10.30AM - 12PM

**After a successful launch on Wednesday 6<sup>th</sup> June 2018 this play group will take place every week.**

**Centrally located and housed in a spacious hall very well equipped and well-staffed.**

**FOR MORE INFORMATION PLEASE CALL 0121 359 7727 or 0121 246 7399 or email [enquiries@arya-samaj.org.uk](mailto:enquiries@arya-samaj.org.uk)**

Children's health, safety and wellbeing are of paramount importance to Arya Samaj Community

**Any suggestions welcome!**



## **Matrimonial Service**

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

### **Changes we have made in 2018:**

#### **Website:-**

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

#### **Matrimonial Service:-**

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -**  
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

# **VEDIC VIVAH MELA**

## **Matrimonial Get Together and Speed Dating**

### **2018**

**Date:** Saturday 8th September 2018

**Venue:** NEW HOME of Arya Samaj West Midlands, 321 Rookery Road, Hnadsworth, Birmingham B21 9PR (Road Map available on our Website) [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

**Time:** 11.30am – 5pm

**Cost:** - £20.00 Members and £30.00 Non-Members



This summer, we are hosting another popular speed dating matrimonial event on **Saturday 8th September 2018 at our newly refurbished Arya Samaj West Midlands new home.** It is the ideal opportunity to meet that special someone in a relaxed informal environment with like

minded people who are all there for the same reason. Book your place early as numbers are limited. This year we are also inviting non-members to attend, so, if you have a friend who is interested please put them in touch and encourage them to register for the event.

**Tickets - £20.00members/£30.00 non-members**

### **How will it work?**

We will have registration, welcome drinks, light snacks and mingling followed by speed dating where participants will meet each other for a period of 4 to 5 minutes. During this time, you will be able to chat and find out about each other, when the time is up the bell will sound and you repeat the process with someone new.

Make a note of the name of those you are interested in on the packs given on the day and we will send you their information by email for you to follow up. If you like someone there will be plenty of social time to chat further throughout the day. Once the speed dating is over a late vegetarian lunch with soft drinks will be served and everyone is free to mingle some more before the end of the event. (No alcohol is permitted or served)

## **What you need to do now?**

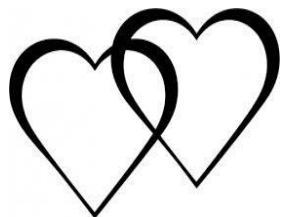
To attend this event, you will need to register by filling out the registration form. **Forms** are available on-line or by calling Arya Samaj West Midlands. Please complete and return your form no later than **Friday 31<sup>st</sup> August 2018** to confirm your place together with your cheques made payable to 'Arya Samaj West Midlands' **(Members £20/non-members £30)**. Send your payment and registration form including a self addressed stamped envelope to Arya Samaj West Midlands, 321 Rookery Road, Hnadsworth, Birmingham B21 9PR

You will be sent confirmation by post or email which you will need to bring with you. If you arrive on the day without an entry confirmation you will be unable to participate in the event.

**We look forward to welcoming you to the event where you have the prospect of meeting that special SOMEONE!!**

Forms are available on our website **[www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)**. Or tel. **0121 359 7727**

**Kind regards,  
Arya Samaj WM, Matrimonial Team**



## **Festivals Information** **In Our Bhavan**

### **AGM**

**Sunday 29th July 2018 after Sunday havan, 12.00pm (noon)**  
**(Please note – all members will receive a notification letter separately)**

### **Independence Day of India Celebrations**

**Sunday 19<sup>th</sup> August 2018**  
**11am Havan, 12pm to 1.30pm Celebrations and there after Rishi Langer.**

### **Ved Katha on Kenopnishad**

**Sunday 26<sup>th</sup> August to Sunday 2<sup>nd</sup> September 2018.**  
**Every evening from 7.30pm to 9.30pm.**  
**Sunday 26<sup>th</sup> August 2018 & 2<sup>nd</sup> September 2018 - 12pm – 1pm.**  
**At end of the programme, every evening, there will be light refreshment together.**

**Raksha bandhan**  
**Sunday 26<sup>th</sup> August 2018**

**Shri Krishna Janmashtami**  
**Sunday 2<sup>nd</sup> September 2018**

## **News**

### **Get Well Soon:**

- This is to inform our members and readers that our Patron Shri Gopal Chandra MBE is recovering in Ryland View Nursing Home, Arnhem Way, Tipton, DY4 7HR and telephone number 0121 520 1577. We all wish him a speedy recovery.
- This is to inform our members and readers that Mr Vishwa Nath Bhandari, ex-Vice President of Arya Samaj West Midlands year 2001-2003 is recovering in Gracewell of Edgbaston Care Home, Speedwell Road, Edgbaston, Birmingham, B5 7PR and telephone number 0121 796 0796. We all wish him a speedy recovery.
- Mrs Deepika Datta is on waiting list for a kidney transplant. We wish her to get better soon.

### **Congratulations:**

- Mr. Karan Kapur and family - for Grih Pravesh Havan on Saturday 2<sup>nd</sup> June 2018 at their new home. Wishing them all the happiness in their new home.
- Mr. Aashish Sasan and family - for Grih Pravesh Havan on Saturday 2<sup>nd</sup> June 2018 at their new home. Wishing them all the happiness in their new home.
- Mr. Vikas Bali and family - for 2nd birthday celebration havan for son Viraj on Sunday 3<sup>rd</sup> June. Wishing Viraj good health and happiness.

- Miss Anjali Middha – for blessing havan before marriage on Wednesday 20<sup>th</sup> June 2018. Wishing her a happy married life.
- Dr Umesh Kathuria and family for their elder sister Dr Shahi Kumar visiting to Arya Samaj and being Yajman. Wishing her good health and happiness.

**Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences on different occasions or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.**

### **Donations:**

- Dr Krishan Kumar Soni - (in memory of his late brother) £21
- Dr Umesh Kathuria £100
- Mr Balbir Singh £10
- Mr Vinod Gulati £10

### **Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:**

- Mr. Hakumat Rai Aggarwal £60
- Mr. Karan Kapur £51
- Mr. Aashish Sasan £51
- Mr. Vikas Bali £51
- Anjali Middha £51

**Thank you for all your Donations!**

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on  
0121 359 7727  
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises will be licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 5th August 2018 & 2nd October 2018.**

**Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.**

**0121 359 7727**

**E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)  
Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)**

## **New Building Refurbishment Fund**

In month of June 2018 following people have donated...

<b><u>NAME</u></b>	<b><u>DOANTION</u></b>
<b>NEW DONATIONS:-</b>	
Mr Brij B.S. Agarwal and Mrs Minu Agarwal	£1000.00
Dr Murli D Agarwal	£400.00
Mrs Krishna Gupta	£200.00
Mrs Sushma Grover	£100.00

**TOTAL SO FAR :**

**£50238.15**

**Thank you!**

### **Haven't Donated Yet ????**

Those of you who would like to donate money to  
"Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands"  
New building fund please do so now!!!

Your help is highly appreciated.

By cheque - Payable to 'Arya Samaj West Midlands'  
and sent back to us at 321 Rookery Road,  
Handsworth, Birmingham, B21 9PR

or

Bank Transfer – The Co-operative Bank  
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission)  
West Midlands

Account number – 65839135

Sort Code – 08.92.99



# **Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands**

## **Newly Refurbished Venue Hire**

**Our new home at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR has been newly refurbished and is the perfect venue for you to hire for all your events.**

### **Venue Information:**

- **Main Banqueting Hall Seating up to 300+ guests**
  - **Function/Dining Hall With Stage**
  - **Yajna Shala (Havan Room)**
    - **Kitchen Facilities**
    - **On site cleaner**
    - **Parking for events**
    - **Hindu Priest Service**

**Our venue is perfect for Weddings, Engagements, Anniversaries, Birthdays for all ages, Religious Ceremonies, Community Events, Family Parties, Meetings, Wakes and all other functions.**

**For more information or viewings please call us on  
0121 359 7727**

**Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,  
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm  
Bank Holidays – Closed**

- **Excellent rates – Vegetarian ONLY – No Alcohol**



## **YOGA CLASSES**

**Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands will start YOGA and MEDITATION Lessons for young children.**

**Where: - Arya Samaj (Vedic Mission) 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.**

**When: - Every Tuesday – Starting on Tuesday 3rd July 2018.**

**Time: - 5pm – 6pm.**

**Our learned, trained and qualified Yoga teacher Acharya Dr. Umesh Yadav ji will provide these lessons.**

**Parents and grandparents with young children who would like some more information about these sessions please get in touch with our Arya Samaj by phoning on 0121 3597727 or email on [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org).**